English Revolution
(इंग्लैंड की क्रांति)

इंग्लैंड की क्रांति सत्रहवीं शताब्दी की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक है और इसके दूरगामी परिणाम थे। क्रांति के राजनैतिक आयाम ने मुख्य रूप से राजा और संसद के बीच सत्ता के संघर्ष का रूप ले लिया। इंग्लैंड में सशस्त्र टकराव और राजनैतिक उथल-पुथल, थी, जिसको 1642 और 1660 के बीच की अवधि, इस उथल-पुथल और टकराव का वर्णन करने के लिए विभिन्न इतिहासकारों द्वारा बनाई गई विशेषताओं के आधार पर इंग्लैंड की क्रांति या गृह-युद्ध के नाम से जाना जाता है।

इंग्लैंड की क्रांति और आगामी पुनः स्थापना और 'गौरवशाली क्रांति' इंग्लैंड के इतिहास का एक बहुत महत्वपूर्ण दौर था। इसने भविष्य की ब्रिटिश राजनैतिक प्रणाली जिसको संवैधानिक राजतंत्र के रूप में चिन्हित किया गया, उसके आधार का निर्माण किया था। इसने ब्रिटेन और यूरोपीय महाद्वीप के बीच समानता और अन्तर के बीज बोये जो आज तक कायम है। इस अवधि के सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक विकासों ने राजनैतिक टकरावों के लिए आधार तैयार किया; विशेष रूप से राजा और संसद के बीच सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा क्योंकि यह अंग्रेजी राजनैतिक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण संस्था बन गई।

इंग्लैंड क्रांति, जिसे विशेषकर 17 वीं सदी में जाना गया, एक राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया थी। इसकी मुख्य उपेक्षा शासन में सामंजस्य और राजतंत्र के मुद्दे थे, जिससे नए सामाजिक और राजनीतिक ढांचे की आरंभिक स्थापना हुई। इसके परिणामस्वरूप, इंग्लैंड में नया सामंजस्य संवैधानिक सामंजस्य और सामाजिक स्वतंत्रता की प्रणाली उत्पन्न हुई।

Dr. Umesh Kumar Rai
Dept. of History
S. B. College, Ara
M.A. (SEM-3); Session-2021-2023
08-02-2024
Class - 1 (one)
Mob/WP: 8809947478; ukraisasamm@gmail.com